

58 यूनिट ब्लड डोनेशन का सफल आयोजन



शाह टाइम्स संचाददाता
बहेड़ी। बरेली से जोनल इंचार्ज संचाव अग्रवाल की अधिक्षका में संत निरंकारी मिशन बहेड़ी ब्रांच द्वारा आयोजित ब्लड डोनेशन के पैमाने में 58 यूनिट रक्तदान करने के लिए बहेड़ी ब्रांच के संचालक महात्मा मंगल सेन, शिक्षक शर्कर लाल और बहेड़ी ब्रांच के मुख्य महात्मा गंगाराम मायर सहित अन्य गणपति व्यक्तियों ने उपस्थित थे।

संचाव अग्रवाल ने बताया कि निरंकारी मिशन द्वारा समय-समय पर ब्लड डोनेशन के प्रयोग बढ़ावा देने की ओर जो जिसका उपरिकार किए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में

सावन का पहला सोमवार आज, भगवान शिव का होगा जलाभिषेक

शाह टाइम्स संबाददाता,
अमरोहा/गजरौला। सावन माह के पहले सोमवार को आज के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालु शिवलिंग पर जलाभिषेक करके अपनी जीवन की मंत्रालय कामना मार्गिंग। शिवसंकर भोलेनाथ को खुश करने के लिए श्रद्धालु शिव, लिंग पर दृढ़, जल, गंगाल, धूरा, आक, दही, बेलपत्र, गन्ने का रस, फल, फूल आदि चढ़ाकर जलाभिषेक करें। इस दौरान शिव मंदिरों पर पुलिस को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

हरिद्वार व ब्रजघाट से जल भरकर ले जा रहे कावड़े भी भगवान शिव का जलाभिषेक करें। अमरोहा के वासुदेव तीर्थ सहित गजरौला के चाकोड़ा मंदिर पर श्रद्धालुओं को काफी ज्यादा संख्या देखने को मिलता। इक्के अतिरिक्त अखिलेश प्रधान ने चाकोड़ा भारी का जायजा शिव की कृपा बरसती है। सावन के सोमवारों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम देखें और श्रद्धालु उत्पास भी रखते हैं और फलाहार आदि अधीनस्थों को उचित दिशा निर्देश दिए।



सोमों अंजलि कटायिया व प्रभारी निरीक्षक पौराणिक कथा के मुताबिक इस माह में भगवान अखिलेश प्रधान ने चाकोड़ा भारी का जायजा शिव की कृपा बरसती है। सावन के सोमवारों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम देखें और श्रद्धालु उत्पास भी रखते हैं और फलाहार आदि अधीनस्थों को उचित दिशा निर्देश दिए।

गजरौला। सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिये रविवार का कावड़ीयों ने ब्रजघाट स्थित पतित पानी गंगा से जल भरकर अपनी मर्यादा की ओर प्रश्नान्

मंजिल की ओर बढ़ते नजर आए कावड़िये

शाह टाइम्स संबाददाता,
गजरौला। सावन के पहले सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिये रविवार का कावड़ीयों ने ब्रजघाट स्थित पतित पानी गंगा से जल भरकर अपनी मर्यादा की ओर प्रश्नान्



को डाक कावड़ों की काफी संख्या देखने को मिलता। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। हाइवे पर एक लेन को कावड़ीयों के लिये एक लेन को सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

सावन माह का पहला सोमवार आज 14 जुलाई को है। हाइवे व ब्रजघाट से कावड़े लेकर आए श्रद्धालु शाम तक शिव मंदिरों पर पहुंचने शुरू हो गए थे। पैदल पैदल कावड़े लेकर आए श्रद्धालुओं के साथ साथ रविवार

श्रद्धा के साथ मंदिरों में जल चढ़ाएंगे भक्त

शाह टाइम्स ब्लूरो
अमरोहा। सावन के पहले सोमवार को लेकर भाले के भक्तों में अपार उत्साह देखने के लिए श्रद्धालु शिव के मंदिरों को खुश करने के लिए श्रद्धालु शिव, लिंग पर दृढ़, जल, गंगाल, धूरा, आक, दही, बेलपत्र, गन्ने का रस, फल, फूल आदि चढ़ाकर जलाभिषेक करें। इस दौरान शिव मंदिरों पर पुलिस को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।

हरिद्वार व ब्रजघाट से जल भरकर ले जा रहे कावड़े भी भगवान शिव का जलाभिषेक करें। अमरोहा के वासुदेव तीर्थ सहित गजरौला के चाकोड़ा मंदिर पर श्रद्धालुओं को काफी ज्यादा संख्या देखने को मिलता। इक्के अतिरिक्त अखिलेश प्रधान ने चाकोड़ा भारी का जायजा शिव की कृपा बरसती है। सावन के सोमवारों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम देखें और श्रद्धालु उत्पास भी रखते हैं और फलाहार आदि अधीनस्थों को उचित दिशा निर्देश दिए।

वन वेट्रैफिक के दौरान हुआ हादसा, उत्तराखण्ड के करोली धाम जा रहे

हाइवे पर भिड़ी कारें, पांच दोस्त घायल

शाह टाइम्स संबाददाता

जोगा। उत्तराखण्ड के करोली धाम

जा रहे किसान सवार पांच दोस्त सड़क

हाइवे में घायल हो गये। जिन्हें सरकारी

अपार नामों में भर्ती कराया गया है। हाइवे

को अंजलि देने वाले कावड़े लेन

होकर उत्तराखण्ड के करोली धाम के टरफम्

मुकदमा देते किया गया है।

यह हाइवे पर वनवे ट्रैफिक

व्यवस्था के दीर्घान हुआ। कावड़ी दर तक

जाम के हालात भी बने रहे। घनास्तक

पर पहुंची पुलिस ने घायलों में जल

हादसा अंतजाम देने वाली कार के

सोएस्टों में भर्ती कराया

हादसे के कारण हाइवे पर कुछ देर जाम की

रिस्ति बनी रही। पुलिस ने मामते में

हादसा अंतजाम देने वाली कार के

वैखलाफ एक अंडीआर दर्ज

कर ली है। मध्यारोहि यह हादसा करोली धाम जा रहे किसान सवार पांच दोस्त सड़क

हाइवे में घायल हो गये। जिन्हें सरकारी

अपार नामों में भर्ती कराया गया है। हाइवे

को अंजलि देने वाले कावड़े लेने

होकर उत्तराखण्ड के करोली धाम के टरफम्

मुकदमा देते किया गया है।

यह हाइवे पर घायलों के बीच घायलों के

घायलों के बीच घायलों के बीच घायलों के

दुनिया में बढ़ती अर्थाति

दुनिया के हालात इस समय बेहद डरावने हैं। रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमास के बीच युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इरान के साथ इजरायल का 12 दिन का युद्ध हो चुका है, लेकिन यह कभी भी भड़क सकता है। शास्ति की आवाजें बेहद कमज़ोर दिखाई दे रही हैं। इस बीच खबरें आ रही हैं कि चीन ताईवान पर हमला कर सकता है। उत्तर कोरिया के आसपास भी अमेरिका के नेतृत्व में जापान और दूसरे कोरिया के खिलाफ सैन्य गठबंधन बनाया जाए। रूस ने अमेरिका, साउथ कोरिया को सीधी चेतावनी दी है। रूस के विदेशी पर्यावरण इस समय उ. कोरिया के निम्न दिसीय दौरे पर हैं।

वहीं से उन्होंने चेतावनी दी है कि उ. कोरिया रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध में भर संभव सहायता दे रहा है। जहां तक कि अपने सैनिक भी। 11 हजार सैनिक लड़ने के लिए पहले ही रूस भेज चुका है और बताया जा रहा है कि 25 से 30 हजार सैनिक और भेजने की तैयारी चल रही है। यूक्रेनी खुफिया एजेंसी का दावा है कि उ. कोरिया और रूस की नारीतिक मुद्राओं पर एक जैसी सोच है। ऐसा भी कहा जाता है कि रूस और उ. कोरिया के बीच एक डील हो चुकी है। इस डील में कहा गया है कि उ. कोरिया को फिर रूस पर हमला किया तो उसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। ऐसे में दोनों देश मिलकर लड़ेंगे। उधर, अमेरिका ने आस्ट्रेलिया और जापान से बात की है।

इस बातीचीत में उन्से पूछा गया है कि अगर चीन पर हमला किया, तो कौन साथ देगा। एक अखबार में छपी रिपोर्ट में अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने नीति उपस्थिति एलन्ग्रिंज कालबी के हवाले से कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत अपने सहयोगी देशों से बात हुई है। इस बातीचीत में उन्होंने जापान और आस्ट्रेलिया से अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने के लिए जाहा है। हालांकि आस्ट्रेलिया और जापान किया कि वह अभी यह नहीं कह सकता कि अगर ताईवान को लेकर युद्ध हुआ तो वह अमेरिका का साथ देगा या नहीं। आस्ट्रेलिया रक्षा मंत्री पैट कानरोय ने कहा कि उनका देश ऐसे कानूनिक हालातों पर सार्वजनिक रूप से बात नहीं करता। वहीं जापान की ओर से भी अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। चीन-ताईवान के बीच झगड़ा दशकों पुराना है। 1949 में ताईवान ने खुद का चीन से अलग स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया था। इसी के चलते दोनों के बीच वर्षों से टकराव की स्थिति बनी है और यह सुदूर वैशिक भू-राजनीति के तिक ताक से बदल गया है। इन तमाम बातों से सफाफ हो जाता है कि कई देशों के बीच युद्ध जारी है और यह थमने का नाम नहीं ले रहा है। इनके अतिरिक्त और अन्य देशों में भी संघर्ष छिड़ने के हालात पैदा हो रहे हैं। जाहिर है कि पूरी दुनिया के लिए स्थिति ठीक नहीं है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि जिन बड़े देशों पर विश्व में शार्ति स्थापित करने की जिम्मेदारी है वही युद्धों में उलझे हुए दिखाई दे रहे हैं।

भाषाई आधार पर होने वाली हिंसा घातक

देश में भाषा विवाद को लेकर हो रही है, केंद्र सरकार को इस पर हिंसा घातक लेकर लोगों के जान माल की सुक्षा करनी चाहिए, ऐसा तत्व होता है। जब धर्म, क्षेत्र, जाति और भाषा आदि की संकीर्ण राजनीति लोगों की देशभक्ति के उनके देश प्रेम पर हावी होने लगती है, देश के विभिन्न राज्यों में पुल व एक्सप्रेस वे में बढ़ रही बुर्टनाओं व उनके देशों की क्षति को जितने के लिए सरकारों को आगे आना चाहिए, इससे जनता का विश्वास डगमगाता है, सरकारों को जनता की मुरिकलें कम करने के लिए महांगी और बेरोजगारी कम करने और उनका जीवन आसान बनाने के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काम करना चाहिए।

-सुशी मायावती, अध्यक्ष, बहुजन समाज पार्टी



फ

लक को दूजे की खाफिश हजार दिल में लिए कि सरगिराह है हमारी उड़ान भी थी... नवील अहमद नवील साहब का यह शेर है जो दूरदर्शन को नई अंगड़ाईयों पर मौजूद है। दूरदर्शन अब अपनी परंपरागत छवि को बदकर रखते हुए एक नई लड़ाई के जरिए इंटरनेटमेट के विशालकाय समर में उत्तरा है। उसने तमाम ऑटीटी प्लेटफार्मों में खलबली मचा दी है।

वेब अटीटी ने बेहतरीन कंटेंट के साथ मनोरंजन के क्षेत्र में एक ऐसी प्रतिस्पृश की विगत के बीच फूँक दिया है कि आपने बाले जैसे धारावाहिकों ने कंटेंट के लिहाज से एक अलग ही लड़ाई शुरू कर दी थी। वह दौर ब्याए एक बार फिर लौटा और फिर से बड़ी दौर लौटने की आहट ने मड़ी हातम के आसपास के कई शिएटरों-कमानी ऑडिटोरियम, एलटीजी ऑडिटोरियम, राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, त्रिवेणी कला संगम में भी थिरकन पैदा कर दी है, जबकि वेब ने सैकड़ों कलाकारों को उम्मीद से भर दिया है। वह ऐसे नए कंटेंट्स की तलाश में लग गया है जिसे परिवार के साथ भी बैठ कर देखा जा सकता है।

बदलाव की इस आहट से दिलासी में मंडी हाउस के बाहर निर्माता-निर्देशकों और कलाकारों की आवाज़ जाहा शुरू हो रही है। मंडी हाउस एक बार फिर से 1984 के उस ताक की याद दिलाने लगा है जब यहाए पर खेलने वाली जीवन नहीं हुआ करती थी। धारावाहिक हम लोग जो कि 1984 में प्रसारित हुए थे, ने मंडी हाउस को स्टारीज़ इटमों, कलाकारों, निर्माता-निर्देशकों के लिहाज से किसी विश्वास्था की रूप से बदल दिया है।

प्रादेशिक स्तर पर एक नया प्लेटफॉर्म खुला और नीम का पेड़, बीबी नातियों वाली जैसे धारावाहिकों ने कंटेंट के लिहाज से एक अलग ही लड़ाई शुरू कर दी थी। वह दौर ब्याए एक बार फिर लौटा और फिर से बड़ी दौर लौटने की आहट ने मंडी हाउस को आसपास के कई एक्टरों-कमानी ऑडिटोरियम, एलटीजी ऑडिटोरियम, राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, त्रिवेणी कला संगम में भी थिरकन पैदा कर दी है, जबकि वेब ने सैकड़ों कलाकारों को उम्मीद से भर दिया है। वह ऐसे नए कंटेंट्स की तलाश में लग गया है जिसे परिवार के साथ भी बैठ कर देखा जा सकता है।

इसके बादी नातियों वाली जैसे धारावाहिकों ने कंटेंट के लिहाज से एक अलग ही लड़ाई शुरू कर दी थी। वह दौर ब्याए एक बार फिर लौटा और फिर से बड़ी दौर लौटने की आहट ने मंडी हाउस को आसपास के कई एक्टरों-कमानी ऑडिटोरियम, एलटीजी ऑडिटोरियम, राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, त्रिवेणी कला संगम में भी थिरकन पैदा कर दी है, जबकि वेब ने सैकड़ों कलाकारों को उम्मीद से भर दिया है। वह ऐसे नए कंटेंट्स की तलाश में लग गया है जिसे परिवार के विश्वास की रूप से बदल दिया है।

इसके बादी नातियों वाली जैसे धारावाहिकों ने कंटेंट के लिहाज से एक अलग ही लड़ाई शुरू कर दी थी। वह दौर ब्याए एक बार फिर लौटा और फिर से बड़ी दौर लौटने की आहट ने मंडी हाउस को आसपास के कई एक्टरों-कमानी ऑडिटोरियम, एलटीजी ऑडिटोरियम, राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, त्रिवेणी कला संगम में भी थिरकन पैदा कर दी है, जबकि वेब ने सैकड़ों कलाकारों को उम्मीद से भर दिया है। वह ऐसे नए कंटेंट्स की तलाश में लग गया है जिसे परिवार के विश्वास की रूप से बदल दिया है।

इसके बादी नातियों वाली जैसे धारावाहिकों ने कंटेंट के लिहाज से एक अलग ही लड़ाई शुरू कर दी थी। वह दौर ब्याए एक बार फिर लौटा और फिर से बड़ी दौर लौटने की आहट ने मंडी हाउस को आसपास के कई एक्टरों-कमानी ऑडिटोरियम, एलटीजी ऑडिटोरियम, राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, त्रिवेणी कला संगम में भी थिरकन पैदा कर दी है, जबकि वेब ने सैकड़ों कलाकारों को उम्मीद से भर दिया है। वह ऐसे नए कंटेंट्स की तलाश में लग गया है जिसे परिवार के विश्वास की रूप से बदल दिया है।

इसके बादी नातियों वाली जैसे धारावाहिकों ने कंटेंट के लिहाज से एक अलग ही लड़ाई शुरू कर दी थी। वह दौर ब्याए एक बार फिर लौटा और फिर से बड़ी दौर लौटने की आहट ने मंडी हाउस को आसपास के कई एक्टरों-कमानी ऑडिटोरियम, एलटीजी ऑडिटोरियम, राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, त्रिवेणी कला संगम में भी थिरकन पैदा कर दी है, जबकि वेब ने सैकड़ों कलाकारों को उम्मीद से भर दिया है। वह ऐसे नए कंटेंट्स की तलाश में लग गया है जिसे परिवार के विश्वास की रूप से बदल दिया है।

इसके बादी नातियों वाली जैसे धारावाहिकों ने कंटेंट के लिहाज से एक अलग ही लड़ाई शुरू कर दी थी। वह दौर ब्याए एक बार फिर लौटा और फिर से बड़ी दौर लौटने की आहट ने मंडी हाउस को आसपास के कई एक्टरों-कमानी ऑडिटोरियम, एलटीजी ऑडिटोरियम, राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, त्रिवेणी कला संगम में भी थिरकन पैदा कर दी है, जबकि वेब ने सैकड़ों कलाकारों को उम्मीद से भर दिया है। वह ऐसे नए कंटेंट्स की तलाश में लग गया है जिसे परिवार के विश्वास की रूप से बदल दिया है।

इसके बादी नातियों वाली जैसे धारावाहिकों ने कंटेंट के लिहाज से एक अलग ही लड़ाई शुरू कर दी थी। वह दौर ब्याए एक बार फिर लौटा और फिर से बड़ी दौर लौटने की आहट ने मंडी हाउस को आसपास के कई एक्टरों-कमानी ऑडिटोरियम, एलटीजी ऑडिटोरियम, राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, त्रिवेणी कला संगम में भी थिरकन पैदा कर दी है, जबकि वेब ने सैकड़ों कलाकारों को उम्मीद से भर दिया है। वह ऐसे नए कंटेंट्स की तलाश में लग गया है जिसे परिवार के विश्वास की रूप से बदल दिया है।

इसके ब

